RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 14 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 9 सितम्बर 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

हल्द्वाणि : पड़मपेच में

हटाने की पूरी तैयारी है तो रास्ता तलाशना ही होगा

कार्यालय प्रतिनिधि

उत्तराखण्ड के बड़े शहरों में गिना जाने वाला हल्द्वानी के दिन उथल-पुथल भरे हैं। 'हल्द्वाणि' में यह सब 'पड़मपेच' के कारण हो रहा है। भाबर में जब कोई आना नहीं चाहता था, जैसे-तैसे कुछ लोग किन्हीं कारणों से उतरे और बाद में मैदान से भी कुछ आकर चैन से रहने का विचार करने लगे तभी शरणार्थियों की टोली को भी बसाया गया और तराई भाबर में सबकी नियत डोलने लगी। छोटे से शहर में सुकून तब छिनने लगा जब आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों ने हल्द्वानी की छाती में मूंग दलना शुरू कर दिया। कारोबार फैलता गया, अतिक्रमण होते रहे, बाग-बगीचों पर कब्जा हुआ। जब यह सब हो रहा था रोकने वाले कम, मामला दबाने वाले ज्यादा सक्रिय थे। ऐसी पड़मपेच का परिणाम ही है कि शहर में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई हो रही है। बार-बार सड़क चौड़ीकरण और चौराहों के सुन्दीकरण की बात कही जा रही है। शासन-प्रशासन की ओर से पूरी तैयारी है तो आम जनता के लिये रास्ता तलाशना जरूरी हो गया है। मुख्य मार्गों के पेड़ों को हटाने के बाद चौड़ीकरण के लिये अड़ंगा बने सरकारी भवनों दीवारों को हटाया गया है। दुकानदारों को नोटिस दिया गया। वर्षों से अपनी रोजी-रोटी का ठिय्या बनाए लोग एकदम से कैसे हट जाएं? उन्होंने विरोध किया। इस विरोध में व्यापार मण्डल के साथ नेतागण भी शामिल हो गये। वह नेता ज्यादा सक्रिय हुए जिनका ध्यान निकाय चुनाव पर भी है। मामला कोर्ट में ले जाया गया तो कुछ राहत मिली। लेकिन कोर्ट ने कुछ राहत के साथ व्यवस्था बनाने का मौका दिया। पूरे शहर में हवा फैल गई मंगल पड़ाव से लेकर रोडवेज तक 101 दुकानें टूटने वाली हैं। नोटिस वापस लिये गये और दस दिन का समय दुकानदारों को मिला। इसके बाद फिर से नोटिस जारी हो गये। पड़ताल के बाद मामले को इस प्रकार बताया गया- 'मंगल पड़ाव से रोडवेज तक 20 दुकानें ही पूर्णतया ध्वस्त होंगी। 12 दुकानें नगर निगम की व 8 दुकानें नजूल भूमि पर बनी हैं।'

नगर निगम व प्रशासन मंगल पड़ाव से रोडवेज बस स्टेशन तक सड़क के बीचों बीच से 12-12 मीटर चौड़ीकरण कर रहा है। इसके लिये सर्वे कराया गया था जिसमें 101 दुकानें, होटल इत्यादि प्रभावित हो रहे थे। इनमें 20 दुकानें पूरी तरह ध्वस्त हो रही हैं। 81 प्रतिष्ठान आंशिक तौर पर क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। सर्वे में बताया गया है कि 101 में से सिर्फ 9 दुकानों के स्वामी ही भूमि के मालिकाना हक के दस्तावेज दिखा सके हैं। 92 दुकानों में 28 दुकानें नगर निगम की हैं। इसके किरायेदारों ने भी वर्षों से किरायेदारी अनुबन्ध का नवीनीकरण नहीं कराया है। किराया जमा नहीं किया है। शेष 64 दुकान स्वामियों के पास मालिकाना हक के कोई भी वैध दस्तावेज नहीं हैं। ये दुकान या अन्य भूमि पर हैं।

इस प्रकार प्रशासन की ओर से पूरी तैयारी का मलबल है 'हल्द्वाणि' में अब प्रशासन की पड़मपेच होगी। लोगों को लेकर शहर होता है और शहर लोगों से ही बनता है लेकिन ठूंस-ठूंस कर शहर का दम घुटने लगे तो क्या उपाय हो? जब चलने की जगह न बचे, जलभराव की समस्या हो, फुटपाथ घिर जाएं, अतिक्रमण का घेरा बढ़ने लगे.....यही सब होना है। जिन लोगों का वर्षों जमा जमाया कारोबार बाधित होगा वह उनके लिये बड़ी परेशानी है परन्तु शहर की परेशान भी बड़ा सवाल है। यही सब समझा और समझाया जा रहा है।

कारोबार-राजनीति की बड़ी मण्डी होने के कारण भी हल्द्वानी को अब समझना कठिन होता जा रहा है। राहत के लिये जिस हल्द्वानी की ओर लोगों ने मुंह किया था वह पड़मपेच में आफत बनता जा रहा है। शहर के पुराने मोहल्लों में भी बहुमंजिली इमारतों का प्रचलन बढ़ गया है और व्यावसायिक तौर तरीके उन परम्पराओं को लील चुके हैं जिसके लिये वह इलाका जाना जाता था। रामलीला मैदान, बद्रीपुर, आमबाग, जगदम्बा नगर, कुसमखेड़ा, भवानीगंज, पटेलचौक, मटरगली, शीशमहल, दोनहरिया, पर्वतीय मोहल्ला जैसे इलाकों

शेष पृष्ठ 2 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

इन प्यासे प्रोफेसरों का क्या होगा?

अक्सर सुनने में आता है कि आज फलां कालेज में पैनल हो रहा है, सभा हो रही है, कार्यक्रम हो रहे हैं, सेमिनार हो रहे हैं। सुनकर बहुत अच्छा लगता है लेकिन इनसे होगा क्या? ऐसे आयोजनों की मंशा और इनकी आड़ में नोच खाने को तैयार प्रोफेसरों को किस तराजू में तोला जाए? इन प्यासे प्रोफेसरों का क्या होगा? जो समय नोचने को तैयार बैठे हैं।

दरअसल होता यह है कि चली आ रही व्यवस्था को अपडेट करने, उसके उच्चीकृत करने, ज्ञान-विज्ञान का प्रचार-प्रसार, नवाचार के लिये शासन कई प्रकार की गतिविधियों के लिये बीच-बीच में निर्देश देता है और प्रशासन भी चाहता है उसके जिले, शहर में जो कालेज हैं वह बेहतरी का पाठ पढ़ाएं क्योंकि इन्हीं से होकर युवा समाज में सन्देश देंगे परन्तु व्यवहार में हो क्या रहा है इसे जान लेना चाहिये। यही कारण है कि भ्रष्टाचार की दीवार मोटी होती जा रह है और विद्यार्थियों को गुमराह किया जा रहा है। अपनी करनी के धब्बे शिक्षा के मन्दिर में बोने वाले समाज में विद्रूपता ला रहे हैं।

मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में पैनल का एक उदाहरण देखा जा सकता है जिसमें पैनल करवाने के लिये एक शिक्षक ने काम अपने हाथ में ले लिया। इस चतुर व्यक्ति का रौब था कि वह प्रोफेसर है, फिर क्या सारा स्टाफ चुप। हाजारों रुपये का धुंआ निकालते हुए प्रोफेसर ने जश्न मनाया। छोटे से कालेज जहाँ छात्र संख्या गिनती भर की है, पैनल में आने वालों के सामने पूरा प्रपंच रचा गया फिर दो हजार रुपये से ज्यादा के समोसा, ठण्डा, काजू-किसमिस के पैकेट निपटा दिये। शुगर की बीमारी है लेकिन एक किलो का मिल्क केक भी निपटा दिया जिसका बिल चार सौ रुपये से ज्यादा है। होटल में खाने के लिये जाने वालों के लिये एक बार चौदह सौ से ज्यादा दूसरी बार बारह सौ से ज्यादा का बिल है। इसके अलावा कागज-पत्तर इत्यादि। याने की सारी विधाओं में दक्ष प्रोफेसर ने नौ हजार से ऊपर खर्च कर डकार ली। खान-पान में सारी दक्षता प्रोफेसर के हिसाब से थी याने होटल में उसके अलावा स्टाफ का दूसरा नहीं गया। इस छोटी सी घटना से सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि होने वाले पैनल या इसी प्रकार के इन्तजामों की आड़ में होने क्या लगा है। मोटी पगार लेने वाले ही जब झपटमारी की नियत रखेंगे तो हमारे प्रदेश-देश का भविष्य क्या होगा? बताया जा रहा है यह प्रोफेसर तमाम आरोपों से घिरा हुआ है।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

भारत विरोधी पोस्ट, वापस भेजा बांग्लादेश

सिलचर। असम के सिलचर में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में पढ़ने वाली एक बांग्लादेशी छात्रा को सोशल मीडिया पर भारत विरोध पोस्ट पर 'लव' इमोजी के साथ प्रतिक्रिया देने के बाद उसके देश वापस भेज दिया गया। कछार के पुलिस अधीक्षक ने दावा किया कि वह निर्वासन नहीं था बल्कि बांग्लादेश के अधिकारियों के परामर्श से उसे वापस भेजा गया।

मुझे कुछ हुआ तो सेना जिम्मेदार : इमरान

इस्लामाबाद। जेल में बन्द पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने दोहराया है कि उनकी हालत के लिए सेना और आईएसआई जिम्मेदार है। उन्होंने अपनी जान को खतरे का अंदेशा जताया। 71 वर्षीय खान ने आरोप लगाया कि उसे देशभर में बिगड़ते कानून-व्यवस्था और पाकिस्तान क्रिकेट के बर्बाद करने को लेकर आलोचना बर्दाश्त नही है। कहा मुझे कुछ हुआ तो सेना प्रमुख और डीजी आईएसआई जिम्मेदार होंगे।

भारत से सौहार्दपूर्ण संबंध चाहता है बांग्लादेश

ढाका। जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख शफीकुर रहमान ने काह कि उनकी पार्टी भारत के साथ सौहार्दपूर्ण और स्थिर सम्बन्ध चाहती है, लेकिन साथ ही कहा कि नई दिल्ली को पड़ोस में अपनी विदेश नीति पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। क्योंकि द्विपक्षीय सम्बन्धों का मतलब एक-दूसरे के आन्तरिक मुद्दों में हस्तक्षेप करना नहीं है।

बिजली प्रोजेक्ट के लिए श्रीलंका को धनराशि

कोलम्बो। श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त सन्तोष झा ने उत्तरी जाफना के पास तीन श्रीलंकाई द्वीपों पर हाईब्रिड बिजली परियोजनाओं के लिए पहला भुगतान सौंपा, जिन्हें 1.1 करोड़ अमरीकी डालर की भारतीय अनुदान सहायता के तहत क्रियान्वित किया जा रहा है।

टेलीग्राम के सीईओ जमानत पर रिहा

पेरिस। टेलीग्राम मेसेन्जर के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पावेल ड्यूरोव को 50 लाख यूरो की जमानत राशि का भुगतान करने के बाद रिहा कर दिया गया। फिलहाल उन्हें सप्ताह में दो बार रिपोर्ट करना आवश्यकत है। उन्हें 6 आरोपों में जाँच के दायरे में रखा गया है।

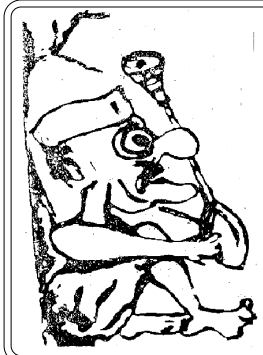

फसक

दाज्यू, अणकस्यैकाव हो रही ठैरी

चुटाचूट मची है लेकिन मामले बढ़ते जा रहे हैं बल

दाज्यू, हरदा बहुत सक्रिय हो चुके हैं। उनका कहना है- 'सरकार ने विधान सभा की गरिमा घटाई है। विधानसभा की कार्य मंत्रणा समिति में पक्ष और विपक्ष मिलकर तय करते हैं विधानसभा कितने दिन चलेगा। सरकार ने ऐसा न कर तीन दिन का सत्र रख दिया।' दाज्यू, अणकस्यैकाव (अजीब सी बात) हो रही ठैरी। सब अपने-अपने बयान देकर हरा हो रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री का बयान आते ही कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल बोले- 'हरीश रावत झूठ बोलने की चलती मशनी हैं। रावत पर अब उम्र का असर साफ दिखाई दे रहा है।'

दाज्यू, नेताओं का क्या कहते रहने वाले ठैरे। इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता है। इन्हें चुनाव में वोट चाहिये। सबका अपना जोड़-जन्तर ठैरा। तभी तो अणकस्यैकाव हो रही है। दाज्यू, हरदा के यह कहने के बाद कि गैरसैंण राजधानी न बनने के पीछे विजय बहुगुणा का हाथ है, पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल भी बोल पड़े- 'इस बात का सबूत पेश करें।' दाज्यू, चुटाचूट मची है लेकिन मामले बढ़ते जा रहे हैं बल। निर्दलीय विधायक उमेश कुमार के गुन्ता बन्धुओं द्वारा 500 करोड़ रुपये से धामी सरकार गिराने की साजिश के दावे पर भाजपा कांग्रेस की धामासान अभी चलती रहेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट ज्यू कह रहे हैं- 'कांग्रेस का हर आरोप झूठ परोसने की राजनीति है।' नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य भी दबादब बयान दे रहे हैं। उन्होंने केदारनाथ गर्भ गृह में सोना लगाने के बारे में कबीना मंत्री सतपाल महाराज के बयान पर प्रतिक्रिया में कहा- 'सीबी आई और ईडी की जाँच से सोना घोटाले का खुलासा होगा।' दाज्यू, क्या होगा और क्या न होगा यह तय भी इन्हीं सब नेताओं ने मिलकर करना है। हम और आप क्या कर सकते हैं।

हल्द्वानी बनभूलापुरा इलाके में हिंसा के मास्टरमाइण्ड अब्दुल मलिक की सम्पत्ति की ईडी जाँच करेगी बल। पुलिस जाँच कर कह रही है- अब्दुल मलिक ने फर्जी संस्था के माध्यम से धन शोधन किया। इसमें धन शोधन निवारण अधिनियम का उल्लंघन हुआ है। दाज्यू, मलिक ही जाने वह क्या करता होगा। इस बीच हाईकोर्ट ने बनभूलपुरा हिंसा के पचास आरोपियों को एक साथ्श जमानत दे दी। इसकी वजह पुलिस की लापरवाही बनी। जिस चार्जशीट को तीन माह के भीतर न्यायालय में प्रस्तुत करना था, पुलिस उसे चार माह बीतने के बाद भी पेश नहीं कर सकी।

राजकीय मेडिकल कालेज हल्द्वानी में बीच-बीच में हकाहाक हो ही जा रही है। अनुशासनहीनता पर एमबीबीएस के तीन छात्रों को हॉस्टल से निष्कासित कर दिया। दाज्यू, भविष्य के डाक्टर ठैरे, पढ़ाई-लिखाई समय रौब दिखाने वाले हुए। वो तो आजकल बहुत सख्ती कर रखी है बल, तब जाकर इतनी शान्ति बनी हुई है।

दाज्यू, लातकार के अलावा बलात्कार आम हो गया ठैरा। सल्ट विकासखण्ड में भाजपा के मण्डल अध्यक्ष भगवत बोहरा 14 साल की किशोरी से छेड़छाड़ पर गिरफ्तार हो चुके हैं। पार्टी ने भी निष्कासित कर दिया है। दाज्यू, ये नेताओं को क्या हो गया होगा? लालकुआ के भाजपा नेता पर भी एक महिला ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है। उधर चम्पावत के नेपाल सीमा के दूरस्थ गाँव की महिला के साथ दुराचार हो गया। मवेशी चुगाने गई 42 वर्षीय महिला से दुराचार करने वाले नेपाली मजदूर को गिरफ्तार कर लिया गया है। गुरुग्राम की किशोरी से हरिद्वार के हाटल में गैंगरेप हो गया। पुलिस में मामले में किशोरी की चाची और दो अन्य का नाम दर्ज है। सल्ट के एक स्कूल में शिक्षक पर छात्राओं से छेड़छाड़ का आरोप लगा है। हल्द्वानी में एक नर्स से मुनस्यारी निवासी युवक ने तीन साल तक सम्बन्ध बनाए बल। पूरा मामला पुलिस पड़ताल चल रही है। टनकपुर में भी एक युवती से छेड़छाड़ पर तीन युवकों के खिलाफ मामला पका हुआ है। दाज्यू, अपने शराबी पति की हरकतों से अलग अल्मोड़ा के डोबानोला में किराये पर रह रही महिला ने जीजा पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। दाज्यू, दुनिया भगवान भरोस है क्या होगा? दाज्यू, जसपुर में शिक्षक के अश्लील मैसेज से परेशान एक छात्रा ने जहर खा लिया। बालिका अस्पताल और आरोपी पुलिस की पकड़ में है। भगवान बचाए इस राक्षस्यौव से।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

चौड़ीकरण की जद में आ रहा भवन ध्वस्त होगा

हल्द्वानी। शहर के चौराहों के चौड़ीकरण की कार्रवाई में पूरी पड़ताल की जा रही है। बताया गया है कि कमलुवागांजा चौराहे के चौड़ीकरण की जद में आ रहा भवन ध्वस्त होगा। एसडीएम परितोष वर्मा ने बताया कि जिला प्रशासन 13 चौराहों का चौड़ीकरण कर रहा है। इसी क्रम में कमलुवागांजा चौराहे का चौड़ीकरण भी होना है लेकिन एक भवन इसमें रोड़ा बना हुआ है। जाँच में यह भवन सरकारी सम्पत्ति पर मिला। अधिकारियों के अनुसार लगभग तीन दशक पूर्व धनपाल सिंह को भूमिहीन होने पर उक्त भूमि को आवासीय लीज पर दिया गया लेकिन उन्होंने इस पर बहुमंजिला व्यवसायिक इमरात बना दी। जो कि सीधे तौर पर लीज भूमि का उल्लंघन है। इसके बाद प्रशासन के निर्देशानुसार उक्त भवन का बिजली का कनेक्शन काट दिया गया। उन्होंने बताया कि उस भवन में निजी कम्पनियों के टावर भी लगे हैं। जिन्हें हटाने के लिये समय दिया गया है। भवन स्वामी ने भवन निर्माण ध्वस्त करने के लिये दो माह की मोहलत मांगी है।

हटाने की पूरी.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

की गिनती अब होती ही नहीं, आस पास के ग्रामीण क्षेत्र जो शहर में समा चुके हैं- ऊंचापुल, कठघरिया, चम्बलपुल, हिम्मतपुर, पनियाली सहित 54 ग्रामीण इलाके भी शहर के रंग में मिलते जा रहे हैं। जनसंख्या का दबाव मुख्य शहर से रिसता हुआ दूर-दूर तक फैल चुका है। हल्द्वानी में होने जा रही तोड़फोड़ भविष्य के लिये आश्चर्य और अचम्भा ही है।

नैनीताल तक टू लेन होगी सड़क

नैनीताल। काठगोदाम नरीमन प्वाइंट से नैनीताल तक 35 किमी सड़क के टू लेन बनने के लिये भारत सरकार से प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद तैयारियां हैं। सड़क के टू लेन बनने से नैनीताल, कैंची, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, बागेश्वर आने वाले सैलानियों की यात्रा सुविधाजनक होगी।

एनएच के अधिशासी अभियन्ता प्रवीण कुमार ने बताया है कि 709 करोड़ की लागत से काठगोदाम से नैनीताल तक सड़क टू लेन होनी है। सड़क के मध्य 17 छोटे पुल बनने के साथ्श ही बीच में पानी की निकासी के लिये 220 कलमठ और 4300 नालियों का निर्माण किया जायेगा। बताया कि वन भूमि की स्वीकृति के बाद काम शुरू होगा। सड़क चौड़ीकरण की जद में आने वाले मकान व दुकानों का मुआवना भी होना है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

तीज-त्यौहार

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है नन्दादेवी उत्सव

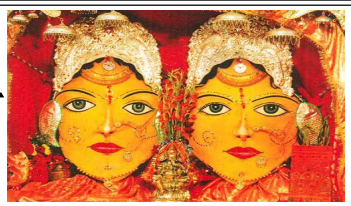

हरीश चन्द्र अन्डोला

देवभूमि के कण कण में बसे हैं भगवान, इसलिए देवभूमि कहलाती है महान। देवभूमि में सदैव होता है अटूट आस्था का संगम। देवभूमि उत्तराखण्ड में होते माँ नन्दा सुनन्दा के जयकारे। नन्दा देवी समूचे उत्तराखण्ड गढ़वाल मण्डल, कुमाऊँ मण्डल और हिमालय के अन्य भागों में जन सामान्य की लोकप्रिय देवी हैं देवी अल्मोड़ा हो या नैना देवी नैनीताल व कुमाऊँ के सभी शहरों व कस्बों में हो रहे है माँ नन्दा सुनन्दा के भक्तिमय वातावरण से समस्त देवभूमि में नन्दा देवी उत्सवों की धूम मची हुई है। नन्दा देवी मन्दिर परिसर रानीखेत, प्रसिद्ध नन्दा देवी मन्दिर अल्मोड़ा, नैना देवी नैनीताल, पिथौरागढ़, गरूड़, बागेश्वर, द्वाराहाट, चौखुटिया, सहित देवभूमि में सभी स्थानों में माँ नन्दा सुनन्दा की कदली वृक्ष को लाकर स्थापना की जाती है और होता है गुणगान-

नन्दा सुनन्दा माता दिये वरदान।
देवभूमि की माता भौते छ महान।।
देवभूमि की माँ नन्दा दैण है जाये,
ओ माता सुनन्दा तू दैण है जाये,..

नन्दा की उपासना प्राचीन काल से ही किये जाने के प्रमाण धार्मिक ग्रन्थों, उपनिषद और पुराणों में मिलते हैं। रूप मण्डन में पार्वती को गौरी के छः रूपों में एक बताया गया है। भगवती की द्व अंगभूता देवियों में नन्दा भी एक है। नन्दा को नवदुर्गाओं में से भी एक बताया गया है। भविष्य पुराण में जिन दुर्गाओं का उल्लेख है उनमें महालक्ष्मी, नन्दा, क्षेमकरी, शिवदूती, महाटूँडा, भ्रामरी, चंद्रमंडला, रेवती और हरसिद्धी हैं। शिवपुराण में वर्णित नन्दा तीर्थ वास्तव में कूर्माचल ही है। शद्रि के रूप में नन्दा ही सारे हिमालय में पूजित हैं।

मान्यता है कि चन्दवंशीय राजा के घर नन्दा के रूप में देवी प्रकट हुईं। उनके जन्म के कुछ समय बाद ही सुनन्दा प्रकट हुईं। इनके सन्दर्भ में हिमालय में एक मान्यता यह भी है कि राज्यद्रोही षडयंत्रकारियों ने उन्हें कुटिल नीति अपना कर भैंसे से कुचलवा दिया
था। भैंसे से बचने के लिए देवी ने कदली वृक्ष में छिपने का प्रयास किया। इसी दौरान एक जंगली बकरे ने केले के पत्ते खाकर उन्हें भैंसे के सामने कर दिया। बाद में वही कन्याएं पुनर्जन्म लेकर नन्दा, सुनन्दा के रूप में अवतरित हुईं और राजद्रोहियों के विनाश का कारण भी बनीं। एक मूर्ति को नन्दा और दूसरी को गौरा देवी की मान्यता प्राप्त है। किवदन्ती है- एक मूर्ति हिमालय क्षेत्र की आराध्य देवी पर्वत पुत्री नन्दा एवं दूसरी गौरा पार्वती की हैं। इसीलिए प्रतिमाओं को पर्वताकार बनाने का प्रचलन है। माना जाता है कि नन्दा का जन्म गढ़वाल की सीमा पर
अल्मोड़ा जनपद के ऊँचे नन्दगिरि पर्वत पर हुआ था। गढ़वाल के राजा उन्हें अपनी कुलदेवी के रूप में ले आऐ थे, और अपने गढ़ में स्थापित कर लिया था। इधर कुमाऊँ में उन दिनों चन्दवंशीय राजाओं का राज्य था। 1563 में चन्द वंश की राजधानी चम्पावत से अल्मोड़ा स्थानान्तरित की गई। इस दौरान 1673 में चन्द राजा कुमाऊँ नरेश बाज बहादुर चन्द (1638 से 1678) ने गढ़वाल के जूनागढ़ किले पर विजय प्राप्त की और वह विजयस्वरूप माँ नन्दा की मूर्ति को डोले के साथ कुमाऊँ ले आए। कहा जाता है कि इस बीच रास्ते में राजा का काफिला गरुड़ के पास स्थित झालामाली गाँव में रात्रि विश्राम के लिए रुका। दूसरी सुबह जब काफिला अल्मोड़ा के लिए चलने लगा तो माँ नन्दा की मूर्ति आश्चर्यजनक रूप से नहीं हिल पायी, (एक अन्य मान्यता के अनुसार दो भागों में विभक्त हो गई।) इस पर राजा ने मूर्ति के एक हिस्से (अथवा मूर्ति के न हिलने की स्थिति में पूरी मूर्ति को ही) स्थानीय पण्डितों के परामर्श से पास ही स्थित भ्रामरी के मन्दिर में रख दिया। भ्रामरी कत्यूर वंश में पूज्य देवी थीं और उनका मन्दिर कत्यूरी जमाने के किले यानी कोट में स्थित था। मन्दिर में भ्रामरी शिला के रूप में विराजमान थीं। 'कोट भ्रामरी' मन्दिर में अब भी भ्रामरी की शिला और नन्दा देवी की मूर्ति अवस्थित है, यहाँ नन्दा अब 'कोट की माई' के नाम से जानी जाती हैं। लोक इतिहास के अनुसार नन्दा गढ़वाल के राजाओं के साथ-साथ कुमाऊँ के कत्युरी राजवंश की ईष्टदेवी थी। ईष्टदेवी होने के कारण नन्दादेवी को राजराजेश्वरी कहकर सम्बोधित किया जाता है। नन्दादेवी को पार्वती की बहन के रूप में देखा जाता है परन्तु कहीं-कहीं नन्दादेवी को ही पार्वती का रूप माना गया है। नन्दा के अनेक नामों में प्रमुख हैं शिवा, सुनन्दा, शुभानन्दा, नन्दिनी। देवभूमि उत्तराखण्ड में समान रूप से पूजे जाने के कारण माँ नन्दा सुनन्दा को धार्मिक एकता के सूत्र के रूप में देखा गया है। विद्वानों के अनुसार माँ नन्दा चंद वंशीय राजाओं के साथ सम्पूर्ण उत्तराखण्ड की विजय देवी थीं। हालांकि कुछ विद्वान उन्हें राज्य की कुलदेवी की बजाय शक्तिस्वरूपा माता के रूप में भी मानते हैं। देवभूमि के सभी क्षेत्रों में माँ नन्दा देवी महोत्सवों की धूम मची है और इसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं आदि का भी आयोजन किया जाता है। देवभूमि सदैव ही देवों की तपोभूमि रही है। महोत्सव सदैव ही एकता के सूत्र में हमें बांधते हैं और प्रत्येक आयोजन महोत्सव भी कुछ न कुछ प्रेरणा अवश्य देते हैं । आधुनिक चकाचौंध में तेजी से आ रहे सांस्कृतिक शून्यता की ओर जाते दौर में भी यह महोत्सव न केवल अपनी पहचान कायम रखने में सफल रहे हैं वरन इसने सर्वधर्म सम्भाव की मिशाल भी पेश की है। पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी यह देता है नन्दा देवी महोत्सव। एकता अखण्डता व सांस्कृतिक विरासत की पहचान महोत्सवों को संजोये रखने की आवश्यकता है। प्रत्येक महोत्सव हमें आस्था के साथ साथ जहाँ अपनी संस्कृति परम्पराओं से जोड़ते हैं वहीं आपसी एकता का भी सन्देश देते हैं।

उत्तराखण्ड में नन्दा देवी पर्वत, रूपकुण्ड, हेमकुण्ड नन्दा देवी के पवित्र तीर्थ स्थल है। इसे शैलपुत्री नन्दा तथा हिमालयी पुत्री भी कहा जाता है। देव भूमि उत्तराखण्ड जहाँ की नदियों का जल गंगासागर तक है तो यहीं 65 प्रतिशत वन है तथा 12 प्रतिशत भू-भाग हिमाच्छादित है। यहाँ की वनस्पतियाँ तथा जीव जन्तु निराले तथा हिमालयी पर्यावरण का महत्वपूर्ण भाग है। यहाँ मोनाल, कस्तूरी मृग के साथ बुरांश एवं ब्रह्मकमल की खूबसूरती दिखती है। इनके साथ नन्दा देवी का पूजन पर्यावरण संरक्षण तथा पौधों की विभिन्नता एवं विविधता प्रदर्शित करता है। जन सहभागिता का पर्व है ये तथा विश्व शान्ति हेतु हवन शान्ति का संदेश देता है जिसमें जड़ी बूटियों का मिश्रण होता है। शास्त्रों व वेदों में पतित पावन कदली वृक्ष व उसके फल का अपना खास महत्व है। हिन्दू धर्म में शादी ब्याह, धार्मिक अनुष्ठान अथवा कर्मकाण्ड कदली वृक्ष भगवान विष्णु के रूप में पूजा जाता रहा है। कदली वृक्ष में विष्णु का वास माना जाता है और कुमाऊँ के ऐतिहासिक नन्दा देवी महोत्सव की शुरूआत ही कदली अथवा केले के पेड़ से की जाती है। हर साल केले के वृक्ष से ही नन्दा-सुनन्दा की आकर्षक व जीवन्त लगने वाली मूर्तियां तैयार की जाती हैं। नैनीताल नन्दा देवी महोत्सव में कुशल कारीगरों द्वारा कदली वृक्ष से मूल्त निर्माण पिछले 112 वर्षों से किया जा रहा है। मान्यता के अनुसार कदली वृक्षों को जड़ समेत मूर्ति निर्माण के लिए लाया जाता है। एक मान्यता के अनुसार चंद राजा की दो बहनें नन्दा व सुनन्दा एक बार जब देवी के मंदिर जा रही थ्ाह तो एक राक्षस ने भैंसे का रूप धारण कर उनका पीछा करना शुरू कर दिया। इससे भयभीत होकर दोनों बहनें केले के वृक्ष के पत्तों के पीछे छुप गई। तभी एक बकरे ने आकर केले के पत्तों को खा लिया जिससे भैंसे ने उन्हें देख लिया और दोनों बहनों को मार दिया। यहीं से चन्द राजाओं द्वारा उनकी स्थापना कर उनकी पूजा अर्चना की जाती है। इस प्रकार तभी से यह महोत्सव लोगों की आस्था का केन्द्र बन गया। इसके समापन के दिन मूर्तियों को नदी/झील में विसर्जन किया जाता है। यह उत्सव पर्यावरण संरक्षण का सन्देश भी है।

ज्योतिष की बातें- 194

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य किसी भी ग्रह का गोचर परिवर्तन नहीं हो रहा है। पूरे सप्ताह शनि मूलत्रिकोण राशि कुम्भ में, सूर्य स्वराशि सिंह में, बुध मित्रराशि सिंह में, मंगल व गुरु शत्रुराशि मिथुन व वृषभ में क्रमशः शुक्र नीचराशि कन्या में पूर्ववत् गोचर करते रहेंगे। तथा चन्द्रमा इस सप्ताह तुला, वृश्चिक, धनु व मकर राशियों में क्रमशः गोचर करेगा।

राधा अष्टमी- भाद्रपद शुक्लपक्ष की अष्टमी तिथि को मध्याह्न में अभिजित् मुहूर्त में राधा का जन्म हुआ था तदनुसार बुधवार 11 सितम्बर 2024 को राधा अष्टमी का पर्व मनाया जाएगा।

वामन द्वादशी- भाद्रपद शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को मध्याह्न में अभिजित् मुहूर्त में भगवान विष्णु का पांचवाँ अवतार वामन के रूप में प्रयाग में हुआ था। तदनुसार रविवार 15 सितम्बर 2024 को वामन द्वादशी का पर्व मनाया जाएगा।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 85

दुष्कर्म का मूल कारण

पिछले कुछ वर्षों से दुष्कर्म अर्थात् बलात्कार की घटनाएँ बहुत बढ़ गई हैं। कुछ घटनाएँ तो अत्यन्त वीभत्स प्रकार की होती हैं। जब कोई बड़ी घटना हो जाती है तो मीडिया में बहुत चर्चा होती है, बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं, कठोर सजा देने की बात की जाती है, फांसी देने के लिए धरना प्रदर्शन किए जाते हैं। कठोर सजा के लिए नए-नए कानून भी बनाए जाते हैं। इसके बाद सब कुछ सामन्य हो जाता है। इसके बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है। और फिर कुछ ही समय बाद उससे भी अधिक दर्दनाक घटना पुनः हो जाती है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए राजनीतिक रूप से तहत-तरह की बातें की जाती हैं लेकिन इन घटनाओं के पीछे मूल कारण पर कोई ध्यान नहीं देता।

आजकल विवाह बहुत विलम्ब से हो रहे हैं। 35-40 वर्ष की उम्र में विवाह हो रहे हैं। लगभग आधी युवावस्था तो प्रतीक्षा करते हुए बीत जाती है। शारीरिक भूख भी पेट की भूख के समान असहनीय होती है। प्रत्येक मनुष्य इसको सहन नहीं कर सकता। ऐसी स्थिति में व्यक्ति कहीं से भी, कैसे भी, कुछ भी बाल-वृद्ध उपलब्ध हो, पाने का प्रयास करता है। फिर उसे कामान्धता में परिणाम का भी ध्यान नहीं रहता है। यह बात स्त्री पुरुष दोनों के लिये समान रूप से होती है। दूसरा, अधिकांश एक ही सन्तान होने के कारण न तो आदमी को बहन के रिश्ते की कल्पना है और ही औरत को भाई के रिश्ते की कल्पना है। इस कारण भी व्यभिचार बढ़ता है। तीसरा, आज का सामाजिक वातावरण भी नग्नता और वासना प्रधान है। उपरोक्त सामाजिक कारणों को यदि समाप्त किया जा सके तो ही दुष्कर्म की घटनाएं न्यूनतम हो सकती हैं अन्यथा कभी नहीं।

-सरल

आपके पत्र

उत्तराखण्ड सरकार जनता के हितार्थ दहेज उन्मूलन कानून लागू करे

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा पहल करते हुए समान नागरिक संहिता विधान सभा में प्रस्तुत कर दिया। उम्मीद है इसके लागू होने पर विवाहित सम्बन्ध में सुधार की जो बात रखी गई है वह सभी धर्म समुदाय के लिए समान रूप से तय होगी। इसके अलावा यदि उत्तराखण्ड सरकार दहेज उत्पीड़न पर नियन्त्रण सम्बन्धी नियम भी विधानसभा में पारित कर दह, जिसमें वर पक्ष द्वारा कन्या पक्ष के ऊपर दहेज देने के लिये जबरदस्ती दबाव न डालें तथा मांग अनुसार दहेज न मिलने पर विवाह उपरान्त कन्याओं, विवाहिता बहू का दहेज उत्पीड़न न करें। कन्या पक्ष द्वारा विवाह के समय अपनी स्वेच्छा एवं सामर्थ्य अनुसार जो भी सामग्री प्रदान करें उसे वर पक्ष वाले बिना किसी सवाल के सहर्ष स्वीकार करें। प्रायः देखा गया है कि विवाह हेतु रिश्ते के कार्य के समय दहेज की मांग स्वीकार नहीं होने पर या विवाह के समय वर पक्ष की इच्छानुसार दहेज की आपूर्ति न होने पर विवाह में अड़ंगे डज़ले जाते हैं तथा बाद में दुल्हन के साथ ससुराल वाले दहेज न देने पर उत्पीड़ित किया जाता है। विवाहित कन्याओं के हित में दहेज उत्पीड़न सम्बन्धी कानून बना कर समाज में व्याप्त बुराईयों को जड़ से समाप्त करने हेतु उक्त कानून को लागू करने की आवश्यकता है।

-नन्दा बल्लभ पाण्डे
कृष्णा कुटीर, ज्योलीकोट(नैनीताल)

5 लाख तक के कार्य स्थानीय ठेकेदारों को

देहरादून। प्रदेश सरकार में 5 लाख रुपये तक के सरकारी ठेके स्थानीय ठेकेदारों को मिलेंगे। विभाग ये कार्य वर्क आर्डर के आधार पर आवंटित करेंगे। सचिव वित्त दिलीप जावलकर ने इस सम्बन्ध में आदेश जारी कर दिए हैं। इसके लिए उत्तराखण्ड वित्तीय हस्तपुस्तिका के प्रावधानों में संशोधन किया गया है। आदेश के अनुसार विभागीय अधिशासी अभियन्ता को यह अधिकार दिया है। वह 5 लाख रुपये तक के कार्य का वर्क आर्डर स्थानीय ठेकेदार के माध्यम से कराएंगे। इस सम्बन्ध में अपर सचिव सहित अन्य को पत्र जारी किया गया है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

हाईकोर्ट बार एसो. चुनाव 13 को

नैनीताल। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव 13 सितम्बर को होंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी वीरेन्द्र सिंह अधिकारी ने चुनाव की अधिसूचना जारी की। 30 अगस्त से प्रक्रिया शुरू होकर 12 को अध्यक्ष व महासचिव पद के प्रत्याशी अधिवक्ताओं की आम सभा को सम्बोधित करेंगे और 13 को मतदान के बाद शाम को मतगणना होगी।

सिरौली कला में नगर पंचायत की मांग

किच्छा। नगर पालिका परिषद में सिरौली कला क्षेत्र को अलग कर नगर पंचायत बनाने की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों ने प्रदर्शन किया। कहा कि नगर पालिका में शामिल होते हुए सिरौली कला का पूरा विकास सम्भव नहीं है। दूसरे पक्षे द्वारा सिरौली कला को नगर पालिका से अलग किए जाने का विरोध भी किया जा रहा है।

प्रधानाचार्य सीधी भर्ती का विरोध

अल्मोड़ा/बागेश्वर। राजकीय शिक्षक संघ ने विद्यालयों में प्रधानाचार्यों की सीधी भर्ती के विरोध में प्रदर्शन किया है। शासन को ज्ञापन सौंपते हुए शिक्षक नेताओं ने कहा कि प्रधानाचार्य के पदों को पूर्व की भाँति शत प्रतिशत पदोन्नति से भरा जाए। सीएम और शिक्षा मंत्री को भेजे पत्र में सीधी भर्ती का फैसला निरस्त करने की मांग की है।

फरार शूटर सर्वजीत के घर की कुर्की

नानकमत्ता। बाबा तरसेम सिंह की हत्या मामले में फरार चल रहे शूटर सर्वजीव सिंह के घर की कुर्की कर दी गई है। साथ ही फरार को पकड़ने के लिये दो लाख का इनाम घोषित किया गया है। कुर्की कार्रवाई रुद्रपुर और पंजाब पुलिस ने मिलकर की।

मूल निवास और भू कानू के लिये प्रदर्शन

गैरसैंण। मूल निवास और सशक्त भू कानून की मांग को लेकर जबर्दस्त प्रदर्शन हुआ। मूल निवास भू कानून समन्वय संघर्ष समिति की स्वाभिमान महारैली में कई संगठनों ने भागीदारी की। प्रदर्शन कारियों ने कहा कि प्रदेश बेरोजगारी से बेहाल हो चुका है।

नगर निकाय प्रशासकों के हवाले

प्रदेश के नगर निकायों में तैनात प्रशासकों का कार्यकाल बढ़ने से निकाय उन्हीं के हवाले हैं। नए बोर्ड गठन तक सभी निकाय प्रशासकों के पास होंगे। दूसरी ओर निकाय चुनाव की पूरी प्रक्रिया प्रवर समिति के कारणों से रुकी है। निकायों का कार्यकाल पिछले साल दिसम्बर में पूरा हो गया था। कभी चुनाव तो कभी किन्हीं कारणों से निकाय चुनाव टलते रहे हैं।

विधायक हरीश धामी के एक तीर से सन्न रह गई सरकार और विपक्ष

देहरादून/धारचूला। कांग्रेस विधायक हरीश सिंह धामी ने अपने विधानसभा क्षेत्र मुनस्यारी-धारचूला में आपदा मामले में सदन में समय न मिलने को लेकर जिस प्रकार से तीर चलाया उससे सरकार और विपक्ष दोनों सन्न रह गये। धामी ने खुले मन से कहा कि सदन में आपदा की बहस पर उन्हें समय नहीं मिला जबकि उनके विधानसभा में सर्वाधिक दिक्कतें हैं। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर भरे मन अपने क्षेत्र की समस्याओं को रखा। खुले और भरे मन से हरीश धामी ने जो व्यथा रखी उसके बाद सबने उन्हें समझा और सीएम के निर्देश पर प्रमुख सचिव ने विधायक के साथ बैठक की और डीएम पिथौरागढ़ को धारचूला विधानसभा क्षेत्र के कार्यों की सूची का परीक्षण करने का निर्देश देते हुए तुरन्त डीपीआर भेजने को कहा। विधायक धामी ने कहा सदन में मुझे अपने लोगों ने बोलने का अवसर नहीं दिया लेकिन सीएम ने मेरी क्षेत्र के प्रति पीड़ा को समझा। बताते चलें धामी के कदम के बाद कार्य और हलचल है।

हल्द्वानी रेलवे की भूमि का हुआ सर्वे

हल्द्वानी। रेलवे अपनी भूमि पर अतिक्रमण का ब्यौरा जुटाने के लिये सक्रिय है। हल्द्वानी रेलवे स्टेशन से लगी अतिक्रमण भूमि का डोर टू डोर सर्वे किया गया। इन्दिरा नगर पश्चिम वार्ड 32 से इसकी शुरुआत हुई। टीमों ने मकानों की संख्या, लम्बाई चौड़ाई, बिजली पानी का ब्योरा जुटाया और मकानों की पैमाइश भी की। साथ ही निशान भी लगाए गए। सिटी मजिस्ट्रट ए.पी.बाजपेयी व एसडीएम परितोष वर्मा के नेतृत्व में 8 सरकारी विभागों की 6 संयुक्त टीमों ने सर्वे किया।

बताते चलें कि रेलवे का दावा है कि 30 हेक्टेयर भमि पर अतिक्रमण है और इस पर 4365 मकान बने हुए हैं। हाईकोर्ट ने पिछले वर्ष दिसम्बर में दायर जनहित याचिका में निर्णय सुनाते हुए रेलवे भूमि से अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए थे। इसके विरोध में लोगों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने रेलवे से विस्तारीकरण के लिए भूमि की आवश्यकता व बसे हुए लोगों के पुनर्वास का खाका मांगा था। इस क्रम में रेलवे यह सर्वे कार्य में जुटा है। सर्वे के दौरान सेक्टर में बांटे गये क्षेत्र में पुलिस फोर्स तैनात रही। यह तय है रेलवे भूमि का भी परिणाम जल्द होगा।

बैंक शिफ्ट के विरोध में प्रदर्शन

थल। बैंक शिफ्ट के विरोध में पहली बार इतना बड़ा आन्दोलन हुआ है। थल के मुख्य बाजार में संचालित उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक को उस स्थान पर बनाए रखने की मांग को लेकर इलाके भर की महिलाओं का धरना प्रदर्शन लगातार जारी है।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बैंक शिफ्ट होने बुजुर्गों और दूर-दराज से आने वाले ग्रामीणों को दिक्कत का सामना करना पड़ेगा। बैंक शिफ्ट होने से कारोबार भी प्रभावित होगा। इन्हीं बातों को लेकर बैंक प्रबन्धक को काफी पहले समझाया गया था लेकिन बैंक प्रबन्धक इसको शिफ्ट करने का निर्णय वापस नहीं ले पा रहे हैं। जन सुविधाओं के लिये बैंक होता है। यदि सुविधा नहीं मिलेगी तो विरोध के सिवा कोई रास्ता नहीं है। बैंक के बाहर धरना प्रदर्शन करने वालों में हंसा बिष्ट, गोविन्दी देवी, गीता बिष्ट, बसन्ती देवी, जयन्ती बिष्ट, बीना देवी, गंगा देवी, राजी देवी, जानकी देवी आदि थे।

चौंदास घाटी की समस्याओं को उठाया

धारचूला। अनुसूचित जनजाति महिला मंगल दल के सदस्यों ने चौंदास घाटी में सड़क निर्माण और अस्पतालों में चिकित्सकों की तैनाती की मांग को लेकर उपजिलाधिकारी मंजीत सिंह और सीएचसी के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. एम.के.जायसवाल को ज्ञापन दिया।

उन्होंने समस्याओं का समाधान न होने पर आन्दोलन की चेतावनी दी। महिला मंगल दल की अध्यक्ष शीला ह्यांकी के नेतृत्व में चौंदास घाटी के ग्रामीणों ने यह ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि गस्मू-कुरीला सड़क का निर्माण कार्य जल्दी पूरा किया जाए। नाली निर्माण, क्रश बैरियर लगाने, डामरीकरण करने और प्रभावितों को भूमि का मुआवजा दिया जाए।

प्रभारी चिकित्साधिकारी ने सौंपे ज्ञापन में कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पांगू, अति प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सोसा, आयुर्वेदिक चिकित्सालय रूंग में चिकित्सक और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती न होने से क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए भटकना पड़ रहा है। ज्ञापन देने वालों में भागीरथी ह्यांकी, अरविन्द खैर, खुशाल गर्खाल आदि थे।

पन्त विवि को पालिका में लाने की निंदा

रुद्रपुर। उत्तराखण्ड क्रान्तिदल ने भाजपा के पूर्व विधायक राजेश शुक्ला पर नगला नगर पालिका व पन्तनगर विश्व विद्यालय मामले में सरकार के फैसले को बदलने की घिनौनी साजिश करने का आरोप लगाया है। उक्रांद नेताओं ने भाजपा सरकार और संगठन से अपने ऐसे कार्यकर्ताओं पर अनुशासनात्मक कार्यवाही कर उन्हें तत्काल पार्टी से निष्कासित करने की मांग की है।

उक्रांद के वरिष्ठ राज्य आन्दोलनकारी आनन्द सिंह असगोला एवं जिलाध्यक्ष मोहन चन्द्र पाण्डे ने युक्त पत्रकार वार्ता में कहा कि पन्तनगर विवि को नगला नगर पालिका से अलग करने की दल की मांग को स्वीकार करते हुए सीएम ने मान रखा, उनका आभार व्यक्त करते हैं। लेकिन पूर्व विधायक शुक्ला द्वारा डीएम पर अनर्गल दबाव बनाकर पन्तरग विवि को पुनः नगर पालिका के दायरे में लाने की प्रयास की निन्दा करते हैं।

जागेश्वर स्वरूप से छेड़छाड़ पर नाराज

दन्या। जागेश्वर धाम के सौन्दर्यीकरण के नाम पर छत विस्तारीकरण के लिए लगाए गए पिलरों पर क्षेत्रवासियों ने नाराजी जताई है। धाम के पुजारियों ने भी मन्दिर के पुराने स्वरूप में छेड़छाड़ न करने को कहा है। आरोप है कि विरोध के बावजूद अधिकारियों की ओर से जागेश्वर धाम में पिलरों का निर्माण कर दिया गया। ऐतिहासिक जागेश्वर धाम आस्था का केन्द्र है। इन पौराणिक मन्दिर के दर्शन के लिये विश्वभर से श्रद्धालु प्रतिवर्ष पहुँचते हैं। इस बीच सरकार की मंशा हुई सौन्दर्यीकरण किया जाए और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने बीते वर्ष पत्थरों के चार कालम खड़े कर दिए। पुजारियों का कहना है कि जब यह पिलर बनाए जा रहे थे इसका विरोध किया गया लेकिन उनकी एक नहीं सुनी। एक ओर सर्वेक्षण विभाग धाम में किसी भी प्रकार का निर्माण करने पर प्रतिबन्ध लगा रहा है दूसरी ओर इसके मूल स्वरूप से छेड़छाड़ की जा रही है। मन्दिर प्रबन्ध समिति के उपाध्यक्ष नवीन भट्ट ने समस्या के जल्द समाधान को कहा है।

परिक्रमा

टनकपुर एनएच भूमि पर भी हट रहे कब्जे

टनकपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा टनकपुर नेशनल हाईवे के आसपास किए अतिक्रमण को हटाया जा रहा है। इसमें नोटिस पहले ही जारी हो चुके थे। एसडीएम आकाश जोशी ने सड़क किनारे कब्जा जमाये लोगों से स्वतः हटते हुए सहयोग करने को कहा है।

महान अन्वेषक रावत को भारत रत्न मिले

हल्द्वानी। मल्ला जोहार विकास समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू ने प्रधानमंत्री को पत्र भेजकर महान अन्वेषक पं.नैन सिंह रावत को भारत रत्न से अलंकृत करने की मांग की है। कहा कि दुनिया के महान सर्वेयरों में नैन सिंह की गणना होती है, ऐसे में सीमान्त क्षेत्र के इस विद्वान को देश का सर्वोच्च सम्मान मिलना चाहिये। श्री धर्मशक्तू ने इसके अलावा पं.नैनसिंह-किशनसिंह मूर्ति स्थल को शीघ्र सुन्दरीकरण के लिये प्रदेश सरकार से मांग की है।

खुरपिया औद्योगिक क्षेत्र शहर बनेगा

देहरादून। ऊधमसिंह नगर जिले का खुरपिया को स्मार्ट औद्योगिक शहर के रूप में विकसित किया जायेगा। 1022 सकड़ में बनने वाले औद्योगिक शहर में ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रानिक विनिर्माण व फैब्रिकेशन उद्योगों में 6180 करोड़ के निवेश की सम्भावना है। केन्द्रीय केबिनेट ने खुरपिया समेह 12 नए औद्योगिक शहर की मंजूरी दी है।

रामनगर में अतिक्रमण तोड़े

रामनगर। शहर व आस-पास अतिक्रमण हटाने का अभियान अतिक्रमणकारियों को डराए हुए है। मण्डी परिसर के बाहर हुए अतिक्रमण को जेसीबी की मदद से हटा दिया गया। यहाँ 35 अतिक्रमण कारियों को नोटिस दिया गया था। इसके अलावा भी मुख्य मार्गों पर अतिक्रमण को लेकर कब फरमान जारी हो जाए यह सोचकर कई लोग परेशान हैं। रामनगर में भी हल्द्वानी की तरह आज नहीं तो कल सड़कों के किनारे कार्रवाई तय है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

दातू मेला : सांस्कृतिक संयोजन के जीवन-पुष्पा दुग्ताल नियुक्त रहे

मंचीय प्रस्तुतियों में आया है निखार, फोटो गैलरी के साथ खेलकूद में बढ़ती जा रही है रुचि

धारचूला। लोकोत्सव के इन दिनों में जगह-जगह मेलों-उत्सव की धूम मची हुई है। सीमान्त क्षेत्र दातू मेले को लेकर भारी उत्साह ने सबका ध्यान आकर्षित किया है। दारमा घाटी के दातू में ह्या गबला देव की परम्परागत पूजा के साथ ही दातू मेले में इस बार मुख्यमंत्री का आगमन भी होना था परन्तु मौसम आदि कारणों से वह नहीं पहुँच सके। सीएम ने ऑनलाइन जुड़कर अपना सन्देश प्रस्तुत किया। इस बड़ी तैयारी में सांस्कृतिक संयोजन के लिये श्रीमती पुष्पा दुग्ताल व जीवन सिंह दुग्ताल को नियुक्त किया गया था। स्वागत गीत, मंगलाचरण गीत तैयारी के साथ ही सांस्कृतिक प्रतियोगिता के लिये मानक तैयार कर इन्होंने अपने अपने सुझाव दिये। साथ ही फोटो गैलरी व बैनर के आकर्षण के पीछे भी यह लोग आनलाइन बैठक करते हुए जुड़े रहे। यही सब कारण भी हैं कि इस बार आयोजन में सांस्कृतिक जुलूस के साथ जिस प्रकार की मंचीय प्रस्तुतियां हुई वह एकदम तालबद्ध थीं। यह भी अच्छी बात है कि सीमान्त की इन घाटियों के निवासियों द्वारा किये जाने वाले आयोजनों में अपनी लोक संस्कृति के प्रति जिस प्रकार का अनुराग है वह इन्हें विशिष्ट बनाता है। जबकि मेलों-उत्सवों में संस्कृति के नाम पर डीजे बजाकर बाजारू कार्यक्रमों की आड़ में भीड़ जुटाने का प्रयास किया जाने लगा है। दातू मेले में हुए कार्यक्रम में परम्परागत फाग-गीत के साथ ही खेलकूद का भव्य आयोजन देखने को मिला। मौसम की असमंजस्यता और सड़कों का बुरा हाल होने के बावजूद बड़ी संख्या में दारमा घाटी के अलावा बाहर से लोग इसमें जुटे। आयोजन को देख स्पष्ट हो रहा है कि युवाओं की इसके प्रति रुचि बढ़ती जा रही है जो शुभ संकेत है।

माँ नन्दा-सुनन्दा मेला

फूलडोला मेले की भव्य शोभा

चम्पावत। नागनाथ मन्दिर से श्रीकृष्ण की शोभायात्रा फूलडोला के रूप में निकाली गई। भव्य शोभा यात्रा में सैकड़ों लोगों ने भागीदारी की। यात्रा ने नागनाथ और बालेश्वर मन्दिर की परिक्रमा की। डोलों में पुष्प और अक्षत की वर्षा लगातार करते श्रद्धालुओं ने देवताओं का आशीर्वाद लिया। इस मौके पर बालेश्वर मन्दिर के महन्त पवन गिरी, निवर्तमान पालिकाध्यक्ष विजय वर्मा, देवी लाल वर्मा, मुकेश वर्मा, विमल साह, मोहन राय, रितेश रायत उपस्थित थे।

छतार में गौरा महोत्सव

चम्पावत। छतार में भी गौरा महोत्सव की धूम रही। 5 दिवसीय आयोजन में गौर महेश की पूजा के बाद प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। परम्परागत रूप से मांगल गीत गाते हुए महिलाओं ने अगले वर्ष फिर से आने की प्रार्थना गौरा महेश से की। इस अवसर पर जया जोशी, सविता जोशी, कमला भट्ट, बीना पन्त आदि थे।

झूमाधुरी महोत्सव का जोर

लोहाघाट। झूमाधुरी महोत्सव समिति द्वारा आयोजित झूमाधरी महोत्सव का जोर भी दिखाई दे रहा है। अध्यक्ष मोहन पाटनी के नेतृत्व में परम्परागत आयोजन के अलावा सांस्कृतिक आयोजन में प्रतिभाओं को अवसर दिया गया है। साथ ही विभिन्न स्टालों के माध्यम से सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

अल्मोड़ा। माँ नन्दा-सुनन्दा मेले का जोर बना हुआ है। नन्दादेवी मन्दिर में अनुष्ठान के साथ मेले का आगाज हो चुका है। 15 सितम्बर तक होने वाले मेले में 11 सितम्बर को राज परिवार की ओर से नन्दा सुनन्दा की भव्य पूजा की जायेगी। नन्दादेवी कौतिक के लिये स्वत:स्फूर्त आने वाले कलाकारों के अलावा वर्तमान में चलित मंचीय कलाकारों को बुलाया गया है। कौतिक में हर बार की तरह बाहर से व्यापारी आकर शोभा बढ़ा रहे हैं। इस मौके पर नन्दादेवी मन्दिर समिति के अध्यक्ष मनोज कुमार वर्मा, किशन चन्द्र गुरुरानी, जीवन गुप्ता, मनोज सनवाल, अनूप साह, हरीश बिष्ट, ताराचन्द्र जोशी, अर्जुन बिष्ट, कुलदीप मेर आदि थे।

रानीखेत में नन्दा-सुनन्दा महोत्सव की तैयारी पूरी है। 134 वे आयोजन के लिये आयोजन समिति के सदस्यों ने माधव कुन्ज राय इस्टेट जाकर कदली वृक्षों को टीका चन्दन लगा वस्त्र भेंट अभिषेक कर आमंत्रित किया।

चम्पावत के बालेश्वर मन्दिर में आयोजन को लेकर बैठक हुई और मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा से लेकर विसर्जन तक की रूपरेखा बनाई गई। बैठक में मुख्य संरक्षक देवीलाल वर्मा, सचिव विकास साह, निर्मल चन्द्र, भगवत शरण, नारायण दत्त, विजय वर्मा उपस्थि थे।

नैनीताल में 8 सितम्बर से मेले का शुभारम्भ हो चुका है। श्रीराम सेवक सभा द्वारा आयोजन के लिये गठित कमेटियों द्वारा 15 सितम्बर होने वाले आयोजन में जिम्मेदारियां निभाई जा रही हैं। नन्दा-सुनन्दा मूर्ति निर्माण से लेकर डोला विसर्जन अनुष्ठान के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम हो रहे हैं। इस बीच नन्दा देवी महोत्सव को राज्य सरकार ने श्रेणी ए के तहत राजकीय मेला घोषित करने पर श्रीराम सेवक संस्था ने क्षेत्रीय विधायक सरिता आर्य को सम्मानित किया।

भवाली में भी आयोजन की तैयारी के साथ ही श्रद्धालु जुटे हुए हैं।

23 से सनेती में होगा मेला

बागेश्वर। दुग-नाकुरी क्षेत्र का सुप्रसिद्ध नन्दा सुनन्दा मेला इस बार 23 सितम्बर से शुरू होगा। मुख्या मेला 26 सितम्बर की रात्रि और 27 की सुबह से होकर डोले का विसर्जन के साथ समापन होगा। मेला कमेटी की बैठक में सर्वसम्मति से बलवन्त सिंह भौरियाल को संरक्षक बनाया गया। सह संरक्षक धन सिंह बाफिला, ग्राम प्रधान जगदीश सिंह बाफिला, अध्यक्ष मनोज भौरियाल, बलवन्त सिंह बाफिला संयोजक, गणेश रैखोला व पूरन सिंह गड़िया व्यवस्थापक, पंकज सिंह मेहता कोषाध्यक्ष, जोहार सिंह सचिव, बहादुर सिंह खाती सह सचिव हैं।

गुमदेश में गौरा महोत्सव

लोहाघाट। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गौरा महोत्सव की धूम मची। पारम्परिक परिधानों में महिलाएं सामूहिक रूप से माँ गौरा महेश्वर की पूजा के लिये जुटीं। नेपाल सीमा से लगे जिंडी, निडिल, सुनकुरी, जुजरी आदि गाँवों में कृष्ण महाभारत की कथा पर आधारित गीतों का गायन हुआ। ग्रामीणों ने झोड़ा, चांचरी, चाली, धुमारी के साथ लोकरंग बिखेरा। जिन्डी गाँव के गौर मन्दिर में पुरोहित मदन कलौनी ने पूजा अर्चना सम्पन्न करवायी।

डीडीहाट नन्दा महोत्सव

डीडीहाट। नन्दा महोत्सव 11 से 15 सितम्बर तक होना है, इसके लिये विशेष उत्साह है। कमेटी के अध्यक्ष डी.एस. पांगती व नरेन्द्र टोलिया ने बताया कि स्थानीय कलकारों के अलावा इस बार हिलजात्रा भी होगी। बताते चलें दिगतड़(डीडीहाट)में शौका परिवारों बसासत के साथ नन्दा पूजा की जो शुरुआत की बाद में इसमें सबको जोड़ते हुए सांस्कृतिक आयोजन का रूप दे दिया गया।

अल्मोड़ा में कुमाऊँ महोत्सव

अल्मोड़ा। श्री राम सांस्कृतिक एवं सामाजिक सेवा समिति की ओर से नगर में कुमाऊँ महोत्सव का आयोजन किया गया। दस दिवसीय महोत्सव का शुभारम्भ नन्दा देवी मन्दिर से मुख्य बाजार में शोभायात्रा के साथ हुआ। छोलिया नृत्य के अलावा महिला दलों ने झोड़ा प्रस्तुति दी। मटकी फोड़ आयोजन के साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुई। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र तिवारी, देवभूमि उद्योग व्यापार मण्डल के अध्यक्ष मनोज सिंह पवार, दीपक कुमार, शगुन त्यागी, वैभव पाण्डे, मनमोहन सिंह गैड़ा, युवम बोहरा आदि थे।

मुवानी में तीन दिवसीय उत्सव

मुवानी। रामगंगा घाटी के किरिने बसे मुवानी में तीन दिवसीय उत्सव में सातू आठू की धूम मची। इसका शुभारम्भ विधायक विशन सिंह चुफाल ने किया। स्थानीय स्कूलों के प्रतिभाग के अलावा क्षेत्रवासियों ने ढुलखेल में भाग लिया।

नन्दादेवी लोकजात मेले का सीएम ने किया उद्घाटन

चमोली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कुरुड़ में तीन दिवसीय नन्दा देवी लोकजात का शुभारम्भ किया। इस मौके पर उन्होंने नन्दा के दर्शन कर पूजा अर्चना की। आयोजित समारोह में सीएम ने नन्दादेवी लोकजात को राजकीय मेला घोषित करने के अलावा नन्दानगर, नारायणबगड़ और देवाल में खेल मैदान निर्माण, प्राणमती नदी के दोनों तटों पर सुरक्षा कार्य, थराली के ढाडरबगड़ में बाढ़ सुरक्षा कार्य की घोषणा की। साथ ही नन्दानगर चिकित्सालय को उप जिला चिकित्सालय में उच्चीकृत करने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार धार्मिक आस्था का सम्मान करते हुए विकास कर रही है। प्रदेश सरकार राज्य में युवाओं के भविष्य को देखते हुए परदर्शी भर्ती परीक्षाओं के लिये कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने जनता को सम्बोधित करते हुए कहा कि पारम्परिक मेले हमें हमारी संस्कृति के साथ अपनी जड़ों से जोड़ने का काम करते हैं। हमारी सरकार पौराणिक मेलों को संरक्षण करते हुए नए आयामों को जोड़ भव्यता प्रदान कर रही है। राज्य में सतत विकास का कार्य भी तीव्र गति से हो रहा है। जिसके कारण उत्तराखण्ड देश में सतत विकास में पहले पायदान पर खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी जी के निर्देशन में बद्रीनाथ और केदारनाथ का विकास किया जा रहा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

फोन सम्पर्क- 05961-222236 8958525979, 9411134775

MARTOLIA FURNITURE

A unit of Martolia Enterprises

Pilikothi, Haldwani

Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Enjoy Beauty of Himalaya at

MARTOLIA LODGE

Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay

Phone: (05961) 222287

घर से बाहर अपनों का साथ

होटल लक्ष्य इन

मदकोट

सम्पर्क 7351285555

नरेन्द्र सिंह रावत

न तेरा न मेरा Thats

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION	LIVE MUSIC	HOMELY FOOD	BIRTHDAY WEDDING

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise

Bus Station
Munsiari

Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

www.mountainheights.in

मो. 9760007148

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल

भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)

गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी

मो.- 7409440813, 7500619761

नन्दाष्टमी की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

गंगा सिंह मर्तोलिया

जीवनपुर, विठौरिया नं. 1

हल्द्वानी

गोविन्द लाल वर्मा

सन्तोष वर्मा

पुराना बाजार

थल

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)